IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली की सार्थकता...

सारांश :- भुगतान प्रणाली ना केवल एक अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है बल्कि यह समाज के पिछड़े आय वाले लोगों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है। भारत में भुगतान प्रणाली हेतु प्रथक से एक कानून बनाया गया है वर्तमान में भुगतान प्रणालियां जो कि सस्ती सुविधाजनक सुरक्षित है किसी भी राष्ट्र के लिए गौरव का विषय है किसी भी देश में वहां का केंद्रीय बैंक राष्ट्रीय भुगतान के विकास में मुख्यधारा का काम करता है भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाने के लिए लोगों की सहभागिता हेतु सरकार ने डिजिटल ट्रांजैक्शन के कई फायदे बताए हैं नोटबंदी के बाद से ही देश कैशलेस की तरफ जा रहा है शुरुआत में लोगों के मन में बहुत सी चिंताएं उभर रही थी किंतु समय के साथ लोग डिजिटल पेमेंट में अपने को अधिक कंफर्टेबल महसूस कर रहे हैं और इस में आने वाली मुश्किलों को भी दूर किया जा रहा है।

Payment system is not only the lifeline of an economy but is also profiles financial services to the backward income people of the society A separate low has been made for the payment system in india, at present the payment system which are cheap convinient safe are a matter of pride for any nation. In any country the central bank is the mainstay in the development of national payments. the government has mentioned many benefits of digital transactions for the participation of people to make india a cashless economy. Since demonetisation, the country is going towards cashless. initially many concerns wear emerging in the minds at concerns wear emerging in the minds of the people, but with the passage of time people are feeling more comfortable in digital payments and the deificulties' in this have also been removed.

कीवर्ड्स (Kiwards) :- डिजिटल, कैशलेस, इंटरनेट ,वॉलेट, क्रेडिट डेबिट कार्ड ,टेलर मशीन, समाशोधन ,यूपीआई ,आईडेंटिटी, ट्रांजैक्शन, माइक्रोप्रोसेसर, टर्मिनल, यूनिफाइड, इंटरफेस ।

Digital cashless internet, wallet, credit David card, tailor machine cleaning, UPI identity, transactions microprocessor, terminal unified, interface

प्रस्तावना (Introducatin) : - भुगतान की आवश्यकता उतनी ही पुरानी है जितनी की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता, पहले वस्तु विनिमय प्रणाली थी लोग मुद्रा नोट और और सिक्कों का प्रयोग करके अपने आर्थिक लेनदेन को

निपटाते थे बैंकिंग प्रणाली के विकास के साथ-साथ बैंक खातों से धन का हस्तांतरण एक आसान और सुरक्षित तरीका बन गया है।

डिजिटल यानी आपके फोन में या कंप्यूटर में बैंकिंग से लेकर भुगतान की सुविधा अर्थात अपने मोबाइल के माध्यम से दूध सब्जी से लेकर रोजमर्रा की जरूरत की कोई भी सामान खरीद सकते हैं।

इस तरह की पेमेंट में आपको वहां भौतिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है अगर हमें कहीं इमरजेंसी हो, हॉस्पिटल में हो तो यह भुगतान बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। आपको कैश ढोने, बैंक का एटीएम की लाइन में लगने की जरूरत नहीं है खासतौर पर जब आप सफर कर रहे हो तो यह बहुत आसान और सुरक्षित विकल्प है कुछ एक विकल्प को छोड़ दिया जाए तो पूरे देश के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

अध्ययन विधि (Research methodology) :-

अध्ययन की विधि विश्लेषणात्मक है, इस अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है जिसे संदर्भ ग्रंथों और विभिन्न लेखकों की पुस्तकों से प्राप्त किया गया है।

साहित्यावलोकन (Review at literature) :-

1. शोभा बीजी सीएमआर विश्वविद्यालय, जुलाई (2020).. इन्होंने डिजिटल भुगतान के संदर्भ में भारत में आई वर्तमान स्थिति के विश्लेषण का अध्ययन किया है।
2. नैंसी गोयल 31 मार्च 2020.. इन्होंने डिजिटल भुगतान प्रणाली, पुनर मुद्रीकरण और डिजिटाइज्ड युग के विश्वास और निरंतरता के इरादे पर इसका प्रभाव के बारे में अध्ययन किया है।
3. मोनिका ई हार्टमैन.. जनवरी 2006 में ई पेमेंट इवोल्यूशन में यूरोप के खुदरा भुगतान पर 2006 की कुछ टिप्पणी को इस लेख में संक्षेपित किया गया है।
4. 4.एस. सहयासेल्विक.. अक्टूबर 2017इंटरनेशनल जर्नल आफ रिसर्च मैं उन्होंने बताया कि डिजिटल क्रांति ने नगदी रहित लेनदेन को आसान बना दिया है अतः इसमें संदेह नहीं कि भविष्य की लेनदेन प्रणाली कैशलेस लेनदेन है।

डिजिटल भुगतान के उद्देश्य (objective) :-

1. भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज में परिवर्तित करना।

2. लोगों के वित्तीय लेनदेन में समय की बचत हेतु।

3. लोग जो भी खर्च कर रहे हैं उसका डिटेल आसानी से निकालकर अपने खर्च का हिसाब लगा सकते हैं।

4. उधार की समस्या से निजात दिलाने हेतु।

5. खुदरा की समस्या से राहत हेतु।

6. बिचौलिए का खात्मा करने हेतु।

डिजिटल भुगतान के प्रकार (Types of digital payment)

1. **बैंकिंग कार्ड.** आज के समय में भारत में बैंकिंग कार्ड का उपयोग वृहद स्तर पर किया जा रहा है जिससे भुगतान सुविधाजनक तो है ही सुरक्षित भी है बैंकिंग कार्ड कई प्रकार के डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करते हैं ग्राहक इसके माध्यम से विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए भुगतान कर सकते हैं। बैंकिंग कार्ड (डेबिट और क्रेडिट कार्ड)

किराना, किराए की कैब बुकिंग, हवाई टिकट, स्वास्थ्य सेवा, ऑनलाइन खरीदारी जैसे किसी भी प्रकार की सेवा प्रदान करते हैं

2. **यूएसएसडी** (अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डाटा).. इसका उपयोग बिना किसी बैंकिंग ऐप को इंस्टॉल किए मोबाइल का उपयोग करके कैशलेस लेनदेन हेतु किया जाता है। डिजिटल भुगतान सेवा का मुख्य उद्देश्य उन वर्गों को शामिल करना है जो मुख्यधारा में शामिल नहीं है यूएसएसडी का उपयोग फंड ट्रांसफर, बैलेंस पूछना, बैंक स्टेटमेंट प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।
3. **ए.ई.पी.एस.,(**आधार सक्षम भुगतान प्रणाली).. इस सेवा का लाभ तभी उठाया जा सकता है जब आधार उस बैंक में पंजीकृत है जहां किसी व्यक्ति का खाता है।
4. **यू.पी.आई**.(यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस)... यह भुगतान वर्ष के सभी 365 दिन होते हैं यूपी आईसेवाओं का उपयोग हम तभी कर सकते हैं जब आपके पास एक बैंक खाता और बैंक खाते के साथ एक मोबाइल नंबर पंजीकृत होना चाहिए।
5. **मोबाइल वॉलेट**.. यदि एक लोकप्रिय भुगतान का विकल्प है जिसमें उपभोक्ता डेबिट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से डिजिटल लेनदेन करने के लिए वॉलेट के पैसे का उपयोग कर सकते हैं।
6. पॉइंट ऑफ सेल टर्मिनल,(POS).. पीओएस टर्मिनल दुकानों या स्टोरों में स्थापित किए जाते हैं जहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से लेनदेन किया जा सकता है।
7. **मोबाइल बैंकिंग**. :- यह कैसी बैंकिंग सेवा है जिससे हम मोबाइल ऐप के माध्यम से स्मार्टफोन से डिजिटल रूप में लेनदेन कर सकते हैं मोबाइल वॉलेट आने के बाद मोबाइल बैंकिंग का दायरा काफी बढ़ गया है।
8. **इंटरनेट बैंकिंग**.. :-यह **एक ऐसी** बैंकिंग, लैपटॉप, डेस्कटॉप और इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करके अपने घर से आराम से बैंकिंग लेनदेन कर सकते हैं इंटरनेट बैंकिंग से सभी प्रकार के लेनदेन किए जा सकते हैं।
9. **भारत इंटरफेस फॉर मनी** (भीम एप).. भीम ऐप से कई बैंक खातों को लिंक करना संभव है कोई भी वह व्यक्ति जिसके पास मोबाइल नंबर, डेबिट कार्ड और व वैध बैंक खाता है भीम ऐप का इस्तेमाल कर सकता है।

डिजिटल भुगतान के लाभ (Profit of digital management)

कुछ अपवादों को छोड़ दें तो भुगतान देश में हर तरह के लोगों के लिए फायदेमंद है डी मोनेटाइजेशन के बाद देश कैशलेस की तरफ अग्रसर हो रहा है। यद्यपि प्रारंभिक दौर में लोग परेशान भी हुए और तरह-तरह की चुनौतियां आने लगी परंतु सरकार के द्वारा देश को कैशलैस इकोनामी बनाने के लिए लोगों की सहभागिता बढ़ाने हेतु सरकार ने डिजिटल ट्रांजेक्शन पर कई फायदे की घोषणा की।

1. **सुविधा :-** डिजिटल भुगतान प्रणाली वित्तीय लेनदेन में बहुत सुविधाजनक है अब हमें कैश ढोने ,प्लास्टिक कार्ड, बैंक जा एटीएम की लाइन में लगने की जरूरत नहीं है, पर मैं भी यह खर्च करने का एक सरल सुरक्षित विकल्प है हॉस्पिटल में भी यह सुविधाजनक है।
2. **छूट :-** डिजिटल ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देने के लिए कार्ड से पेट्रोल खरीदने पर 0.75% छूट, रेल टिकट, हाईवे पर टोल बीमा खरीदने जैसे कई छूट की घोषणा की गई है।
3. **खर्च पर नियंत्रण :-** डिजिटल ट्रांजैक्शन की माध्यम से सभी लेन-देन का हिसाब रखा जाता है इससे इनकम टैक्स रिटर्न में मदद मिलती है क्योंकि सभी खर्चे हमारे सामने रहते हैं जिसका हिसाब रहता है और हम खर्च को नियंत्रित कर सकते हैं जब हम कार्ड से लेनदेन करते हैं तो इसका स्टेटमेंट हमारे पास रहता है जिससे हम घर पर कंट्रोल कर सकते हैं।
4. **कम जोखिम :-** डिजिटल भुगतान से उधार बंद हो जाएगा साथ ही दुकानदार को पैसा वापस करने की भी जरूरत नहीं होगी।

5. **काले धन पर नियंत्रण :-** डिजिटल लेनदेन से सरकार को लंबे समय में कालेधन और नकली नोटों के प्रचलन को खत्म करने में मदद मिलेगी।

हानि (Losses) :-

1. भारत जैसे देश में डिजिटल पेमेंट की जानकारी सभी लोगों को नहीं है इसलिए इसे पूरे देश में लागू करना बहुत कठिन है
2. डिजिटल लेनदेन में कई बार व्यक्ति धोखे का शिकार हो सकता है जिन्हें इसकी पूरी जानकारीग्रामीण क्षेत्र में एक बड़ी जनसंख्या निरक्षर है जिन्हें कैशलेस में परिवर्तित करना बहुत कठिन है।
3. डिजिटल लेनदेन में कई बार व्यक्ति धोखे का शिकार हो सकता है जिन्हें इसकी पूरी जानकारी नहीं है वे लोग साइबर धोखा, ऑनलाइन घोटाला, बैंक खातों की हैकिंग, आदि के कारण अपनी कमाई खो सकते हैं ऐसे में डिजिटल भुगतान की जगह नगद लेनदेन करना बेहतर होगा।
4. **डिजिटल भुगतान का एक दोष यह** है कि इसके उपयोग में कुछ लेनदेन शुल्क शामिल है इसलिए लोगों को ना चाहते हुए भी इनका भुगतान करना पड़ता है जबकि नगद भुगतान करते समय इस तरह का कोई शुल्क नहीं होता है।
5. नेट बैंकिंग के लिए इंटरनेट का होना बेहद जरूरी है, इंटरनेट कनेक्शन के इसका उपयोग संभव नहीं है।
6. कभी-कभी ठगों द्वारा व्यक्ति के ईमेल पर ऐसा ईमेल भेजा जाता है जैसे व्यक्ति उसी को सही मान लेता है और उस पर क्लिक करते ही वह जाल में फंस सकता है
7. डिजिटल भुगतान में आईडेंटिटी चोरी का खतरा बना रहता है।
8. गुम होने पर बहुत बड़ा खतरा हो सकता है।
9. डिजिटल भुगतान में में व्यक्ति को ज्यादा खर्च की लत लग जाती है

डिजिटल भुगतान के प्रभाव (Impacts of digital payment) :-

1. डिजिटल भुगतान के माध्यम से लोग कम समय में अधिक खरीदारी कर सकते हैं जिससे मांग बढ़ेगी, उत्पादन बढ़ेगा, पूर्ति बढ़ेगी, परिणाम स्वरूप रोजगार में वृद्धि होगी और देश का आर्थिक विकास होगा।
2. डिजिटल भुगतान के द्वारा द् भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के साथ ही देश के वित्तीय विकास पर योजनाबद्ध तरीके से नजर रखी जा सकती है।
3. डिजिटल भुगतान से नकदी के उत्पादन और वितरण लागत को कम किया जा सकता है।
4. डिजिटल भुगतान से अर्थव्यवस्था में होने वाले टैक्स चोरी को भी नियंत्रित किया जा सकता है।
5. उपभोक्ता वर्ग डिजिटल भुगतान के माध्यम से ₹1 से लेकर किसी भी राशि का डिजिटल भुगतान 24 घंटे 365 दिन कर सकता है।
6. डिजिटल भुगतान से ब्लैक मनी पर भी नियंत्रण लगाया जा सकता है साथ ही जन कल्याण से संबंधित धन को बिचौलियों के हाथों के बजाय सीधे लोगों के बैंक अकाउंट में पहुंचाया जा सकता है।
7. डिजिटल भुगतान में दुकानदार जो कार्ड स्वाइप मशीन/पॉइंट ऑफ सेल रखते हैं उन्हें बैंकों को एक निश्चित राशि का भुगतान करना पड़ता है जबकि नगर लेनदेन में ऐसी किसी राशि का भुगतान नहीं करना पड़ता है।

डिजिटल भुगतान हेतु सरकार के प्रयास (Government efforts) :-

1. डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन देने हेतु नीति आयोग निजी उपभोग व्यय हेतु डिजिटल भुगतान माध्यम का प्रयोग करने वाले व्यापारियों और उपभोक्ताओं को नगद पुरस्कार हेतु **लक्की ग्राहक योजना** और"**डिजिटल धन व्यापार योजना**"की घोषणा की है।
2. डिजिटल जागृति परियोजना.. इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जनता के बीच सरकार की नीतियों और उपलब्ध डीजिटल वित्त विकल्प पर जागरूकता सत्र का आयोजन करना है।
3. कम से कम 10 प्रमुख मंत्रालयों में मुख्य सूचना अधिकारी का पद बनाया जाएगा ताकि विभिन्न ई गवर्नेंस परियोजनाओं को तेजी से निर्माण, विकास एवं लागू किया जा सके।
4. केंद्रीय मंत्रालय/विभागों और राज्य सरकारों को विभिन्न कार्यक्रमों के तहत मिशन मोड और अन्य परियोजनाओं के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी होगी।
5. उच्च गति का इंटरनेट सभी ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कराया जाएगा।
6. डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकों की स्थापना करेंगे, इन 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों की स्थापना की जाएगी।
7. जिन कारोबारियों का सालाना टर्नओवर ₹50 करोड़ या उससे ज्यादा है अगर वह ग्राहक से डिजिटल भुगतान लेते हैं तो उनको कोई चार्ज नहीं देना होगा इसके लिए सरकार आयकर अधिनियम 2007 में आवश्यक संशोधन कर रही है।

सुझाव (Suggestions) :-

1. सर्वप्रथम डिजिटल भुगतान पर लगने वाले शुल्क को हटाना चाहिए।
2. डिजिटल भुगतान पर उपभोक्ताओं से कोई सुविधा शुल्क नहीं वसूला जाना चाहिए।
3. डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने हेतु तू एवं सेवा कर को कम किया जाना चाहिए।
4. आर टी जी एस और नेफ्ट जैसी प्रणालियों में उचित सुधार करना चाहिए।
5. साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है।
6. सरकार को अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण हेतु कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रिसिटी जैसी मौलिक आवश्यकताओं का ख्याल रखना चाहिए।
7. जनसंख्या के एक बड़े भाग को बैंकिंग नेट के दायरे में लाया जाना चाहिए।

निष्कर्ष (Conclusion) :-

डिजिटल यानी आपकी मोबाइल से या कंप्यूटर से ही बैंकिंग से लेकर भुगतान तक की सुविधा यानी आप अपने मोबाइल से ही रोजमर्रा की हर जरूरत का सामान खरीद सकते हैं ।आप अपने मोबाइल के माध्यम से देश के दूसरे कोने में बैठे अपने प्रिय जनों को राशि का आदान-प्रदान कर रहे हैं इसके पीछे सरकार का सराहनीय प्रयास है।

भारत सरकार देश में डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयासरत है।डिजिटल इंडियाअभियान के तहत सरकार का लक्ष्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त अर्थव्यवस्था बनाना है, जो फेसलेस, पेपरलेस, और कैशलेस हो।

संदर्भ ग्रंथ (References) :-

1. rural.nic.in
2. hindi.news18.com
3. m.rbi.org.in

4. byjus.com.
5. m.economictimes.com
6. m.computerhindinotes.com
7. docs.neu.sdu.tr.com
8. bankbazar.com
9. http://hi.quora.com/
10. http://timesnowhindi.com/

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation